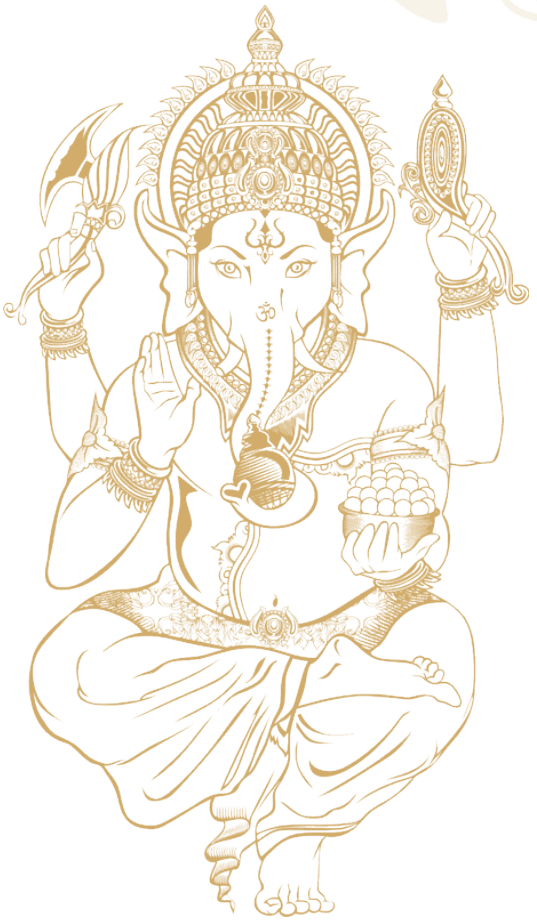

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121058003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
8-09/12/1991	जन्म तिथि	26/08/1994
रवि-सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 03:00:00	जन्म समय	14:32:00 घंटे
घटी 49:56:26	जन्म समय(घटी)	21:30:13 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:01:25	सूर्योदय	05:55:54
17:24:22	सूर्यास्त	18:49:36
23:44:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:10

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 6वर्ष 2मा 20दि		29:48:44	कन्या	लग्न	धनु	00:14:22	केतु 3वर्ष 0मा 2दि	
राहु		22:32:42	वृश्चि	सूर्य	सिंह	09:07:06	चन्द्र	
27/02/2021		22:31:08	धनु	चंद्र	मेष	07:36:31	28/08/2023	
27/02/2039		13:14:57	वृश्चि	मंगल	मिथु	12:24:57	28/08/2033	
राहु	10/11/2023	21:53:26	वृश्चि व	बुध	सिंह	21:36:17	चन्द्र	28/06/2024
गुरु	05/04/2026	20:06:54	सिंह	गुरु	तुला	15:11:27	मंगल	27/01/2025
शनि	09/02/2029	09:15:31	तुला	शुक्र	कन्या	25:06:58	राहु	29/07/2026
बुध	29/08/2031	09:43:10	मक	शनि व	कुंभ	15:42:17	गुरु	28/11/2027
केतु	15/09/2032	16:07:05	धनु	राहु व	तुला	23:53:41	शनि	28/06/2029
शुक्र	16/09/2035	16:07:05	मिथु	केतु व	मेष	23:53:41	बुध	27/11/2030
सूर्य	10/08/2036	18:35:36	धनु	हर्ष व	धनु	29:08:05	केतु	28/06/2031
चन्द्र	09/02/2038	21:37:46	धनु	नेप व	धनु	27:08:53	शुक्र	26/02/2033
मंगल	27/02/2039	27:33:23	तुला	प्लूटो	वृश्चि	01:36:42	सूर्य	28/08/2033

लग्न-चलित

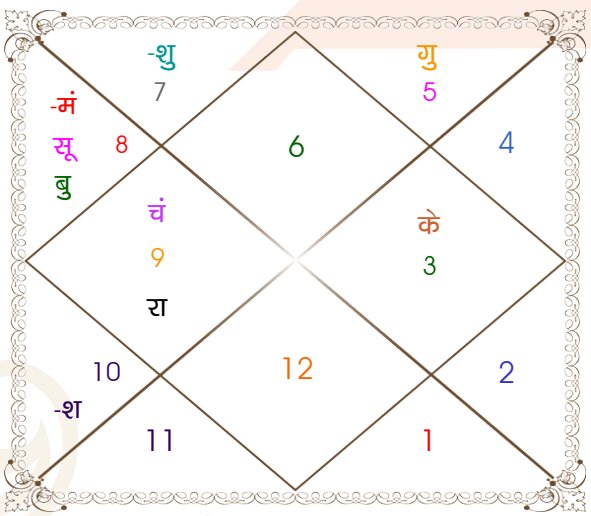

लग्न-चलित

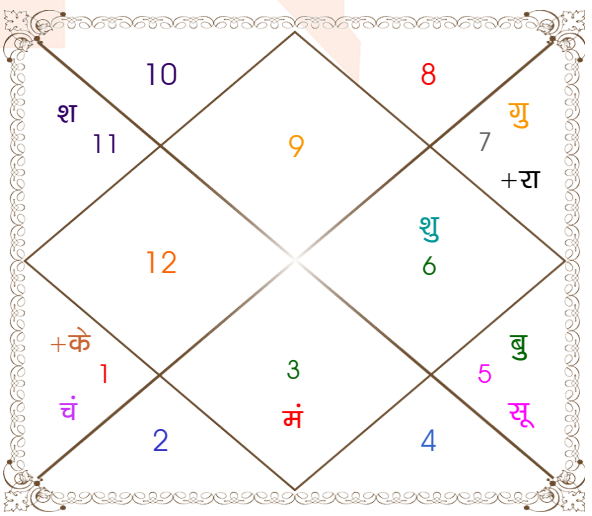

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms. कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।